

जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पासर्स की डिलीवरी अगले दिन हो, जबकि अभी इसमें 3-5 दिन लगते हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक भारतीय डाक को 'लागत केन्द्र' से 'लाभ केन्द्र' में बदलना है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह नई सेवा जनवरी में शुरू की जाएगी।

जयपुर/प्रादेशिक

एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार दोगुनी रफ्तार से बढ़ रहा आगे

बिहार, 17 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस लूट और भ्रष्टाचार के अड्डे है जिन्होंने केवल परिवारवाद की राजनीति की तथा बिहार के गरीबों को लूटा है। इन लोगों ने सत्ता के अहंकार में जनता की सेवा करने के बजाय केवल अपनी तिजोरियां भरी। उन्होंने कहा कि वर्तमान एनडीए सरकार ने अपना हर वादा पूरा किया है तथा दिन-रात मेहनत कर विकसित और समृद्ध बिहार बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

श्री शर्मा शुक्रवार को बिहार चुनाव के तहत दुमरा हवाई फील्ड पर एनडीए के विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जमसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिथिला की पवित्र धरती पर जगत जननी मां जानकी का जन्म हुआ था। मिथिला को यह फलती केवल आसर्शन की भूमि नहीं है, बल्कि ज्ञान, कला, संस्कृति और संस्कारों की साक्षत जननी है। महर्षि याज्ञवल्क्य, गार्गी, मैत्रेयी जैसे महान विद्वानों की भी यह कर्मभूमि रही है। उन्होंने कहा कि बिहार भारत का ज्ञानदीप है। यह वही भूमि है जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई तथा



भगवान महावीर ने अहिंसा का संदेश दिया। **आरजेडी एवं कांग्रेस के समय बिहार में था जंगलराज** श्री शर्मा ने कहा कि बिहार में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल में जंगलराज का शासन हुआ करता था। यह वह समय था जब कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी, अपराध अपने चरम पर था। अपहरण, बलात्कार, हत्या, लूटपाट और डकैती रोजमर्रा की बात हो गई थी। सड़कों पर गड्डे थे, शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई थी

तथा स्वास्थ्य सेवाएं ठप थीं। उस दौर में बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन गया था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार के समय बिहार में रोजगार के अवसर समाप्त हो गए थे तथा बिहार के युवाओं को रोजी-रोटी के लिए दूसरे प्रदेशों में पलायन करना पड़ा। जो बिहार एक समय में ज्ञान और दर्शन का केंद्र था उसे आरजेडी एवं कांग्रेस के भ्रष्टाचार ने तार-तार कर दिया तथा बिहार के गौरव को मिट्टी में मिला दिया था। **एनडीए के शासनकाल में बिहार में**

कानून का राज हुआ स्थापित श्री शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार को फिर से अपना खोया हुआ गौरव वापस दिलाने का काम किया है। आज बिहार में विकास की रोशनी दिख रही है। यहां कानून का राज स्थापित हुआ है तथा हजारों किलोमीटर की पक्की सड़कें बनी हैं। आज बेटियां निशुल्क उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि जीविका योजना के माध्यम से लाखों महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं। दरभंगा एयरपोर्ट के विकास ने मिथिला, कोसी और सीमांचल के लोगों के लिए नए द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए के शासनकाल में बिहार 14 प्रतिशत से अधिक जीडीपी से विकास कर रहा है। साथ ही, पुनौरा धाम का पुनरुत्थान किया जा रहा है, जिसके तहत माँ जानकी के मंदिर का निर्माण राम मंदिर के तर्ज पर किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व से बिहार विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन सबका साथ, सबका विकास, सबका वि्वास के

आधार पर बिहार का तीव्र गति से विकास हो रहा है। उनके नेतृत्व में बिहार विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। बिहार में अब तक 74 लाख से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि की राशि मिल चुकी है। मिथिला की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए मखाना बोर्ड का गठन किया गया है। डबल इंजन की सरकार ने बिहार में महिलाओं को नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में 125 ग्रुिंट मुफ्त बिजली, वृद्धजन एवं विधवा महिलाओं को पेंशन वृद्धि, पीएम आवास योजना के तहत 60 लाख परिवारों को पक्का मकान मिला है। अब तक प्रधानमंत्री ने बिहार को 14 लाख 85 हजार करोड़ रुपए दिए हैं जबकि यूपीए सरकार ने 10 सालों में सिर्फ 2 लाख करोड़ दिए थे।

श्री शर्मा ने कहा कि अवैध घुसपैटिए बिहार में आकर आपके संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, रोजगार छीन रहे हैं तथा आपकी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। लेकिन लुट्टिकरण की राजनीति करने वाले इसे उजागर नहीं होने देना चाहते।

पातेपुर विस चुनाव में आखिरी दिन सात प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार **पातेपुर विधानसभा चुनाव 2025** के नामांकन के

अंतिम दिन महुआ अनुमंडल में सात प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

तारीख तक होने वाले नामांकन में पातेपुर विधानसभा सुरक्षित क्षेत्र से अनुमंडल निवाची पदाधिकारी महुआ के कार्यालय में कूल 11 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। दस तारीख से 17 तारीख तक होने वाले नामांकन में पातेपुर विधानसभा सुरक्षित क्षेत्र से अनुमंडल निवाची पदाधिकारी महुआ के कार्यालय में कूल 11 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। दस तारीख से 17 तारीख तक होने वाले नामांकन पत्र दाखिल किया गया। दस अक्टूबर तक चलने वाली नामांकन कार्यक्रम में कूल 11 प्रत्याशियों नामांकन पत्र दाखिल किया। शुक्रवार को अंतिम दिन कुल सात प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया । महुआ अनुमंडल निवाची पदाधिकारी के सम्मक्ष शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री दर्शई चौधरी , जिला परिषद सदस्य क्षेत्र संख्या 15 पातेपुर, ने अपना नामांकन जन शक्ति जनता दल पार्टी से रीना कुमारी उर्फ रीना चौधरी , बहुजन समाज पार्टी से

, मीरा कुमारी , निर्दलीय अनिल पासवान समेत कूल सात प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर सभी के सैकड़ों समर्थक मौजूद थे। नामांकन कार्यक्रम देर शाम तक जारी रहा।

अक्षय सिंह ने थामा जदयू का दामन, एससी पर 18 लाख रुपए मांगने का लगाया आरोप

पटना : (पीएमए) बिहार के चैनपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे पूर्व जदयू सांसद महाबली सिंह के पुत्र अक्षय सिंह ने आजाद समाज पार्टी (एससी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अक्षय सिंह ने दावा किया कि एससी ने उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का सिंबल देने के बवले 18 लाख रुपए की मांग की। इस मांग से आहत होकर उन्होंने एससी छोड़कर जनता दल (यूनाइटेड) यानी जदयू में शामिल होने का फैसला किया। अक्षय सिंह ने बताया कि उन्होंने करीब एक साल तक चैनपुर विधानसभा क्षेत्र में आजाद समाज पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने क्षेत्र में पार्टी का आधार बढाने के लिए दिन-रात काम किया, लेकिन जब टिकट देने की बारी आई तो पार्टी ने उनसे 18 लाख रुपए की मांग की।

अक्षय सिंह ने इसे अनैतिक बताया हुए कहा, "मैंने पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम किया, लेकिन टिकट के लिए पैसे की मांग मेरे सिद्धांतों के खिलाफ थी। इसलिए मैंने एससी छोड़ने का फैसला किया और अब जदयू में शामिल हो गया हूं।" प्रेस कॉन्फ्रेंस में अक्षय सिंह ने जदयू के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा, "मेरे पिता महाबली सिंह लंबे समय से जदयू के वरिष्ठ नेता रहे हैं। मैं उनके नक्शेकदम पर चलते हुए पार्टी को और मजबूत करने का काम करूंगा।"

उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विचारधारा और उनके काम बिहार के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्हें विकास पुरुष और सुशासन बाबू के रूप में जाना जाता है। बिहार में आज उनसे बेहतर कोई नेता नहीं है। मैंने उनके नेतृत्व से बहुत कुछ सीखा है और अब उनके साथ मिलकर बिहार के विकास के लिए काम करूंगा।"

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने आंगनवाड़ी से लेकर यूनिवर्सिटी स्तर तक की शिक्षा का मानकीकरण किया है : डॉ. एस. पी. सिंह

लखनऊ (पीएमए): केन्द्रीय संसार ब्यूरो (सीबीसी) , लखनऊ द्वारा दी. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित पाँच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का चौथा दिन 'शिक्षा में प्रगति एवं विकास' विषय को समर्पित रहा। आज के कार्यक्रम का शुभारंभ सीबीसी निदेशक श्री मनोज कुमार वर्मा द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. एस. पी. सिंह, पूर्व कुलपति, शिक्षाउद विश्वविद्यालय; विशिष्ट अतिथि डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम सिंह, प्रख्यात लिखाविद् और डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, उपनिदेशक, इग्नू, लखनऊ के स्वागत के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. एस. पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ह्र्राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने आंगनवाड़ी से लेकर यूनिवर्सिटी स्तर तक की शिक्षा का मानकीकरण किया है।डॉ. एस. पी. सिंह ने अपने संबोधन में इस इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पर विशेष ध्यान दिया है।



महुआ में नामांकन पत्र दाखिल कर निकलती पातेपुर जिला परिषद सह विस प्रत्याशी जन शक्ति जनता दल के रीना चौधरी ।

फस्ट क्म फस्ट सर्व के सिद्धांत पर सिंगल विंडो सिस्टम से पूरी पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ मिलेगी सुविधा- जिला निर्वाचन पदाधिकारी, सिवान

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद सिवान 17 अक्टूबर 2025**शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सिवान** डॉ आदित्य प्रकाश के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जिला के सभी वरीय पदाधिकारी सहित कोषांगों के सभी नोडल पदाधिकारी के साथ बैठक कर निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शुचित सुनिश्चित करने से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई ।

उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत जारी निषेधाज्ञा,आदर्श आचार संहिता के प्रावधान, संपत्ति विरूपण अधिनियम 2010, सिंगल विंडो सिस्टम, सी-विजिल ऐप, डायल 1950, चुनाव

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सिवान

कार्यक्रम विवरणी, तथा चुनावी व्यय मॉनिटरिंग प्रणाली से अवगत कराया । जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति, राजनीतिक दल अथवा संपंठन द्वारा राजनीतिक प्रयोजन से संबंधित सभा, जुलूस, धरना या प्रदर्शन का आयोजन बिना सक्षम पदाधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्र (लाउडस्पीकर) का उपयोग रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक वर्जित रहेगा। साथ ही राजनीतिक प्रचार में सामाजिक विद्वेष फैलाने वाले सामग्री,आपत्तिजनक पोस्टर, आलेख या फोटो, तथा धर्म या जाति के नाम पर प्रचार पूरी तरह निषिद्ध है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सिवान

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद 17, अक्टूबर 2025 शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सिवान

-सह- जिला पदाधिकारी, सिवान डॉ आदित्य प्रकाश के निदेशानुसार बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के सफल, पारदर्शी एवं निष्पक्ष संचालन की दिशा में आज

सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, सिवान के कार्यालय कक्ष में मीडिया/एमसीएमसी में प्रतिनियुक्त कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नोडल पदाधिकारी (मीडिया एवं एम.सी.एम.सी. कोषांग) सह सदस्य सचिव, एम.सी.एम.सी. के

द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिनियुक्त कर्मियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से अवगत कराना तथा चुनाव अवधि में मीडिया की भूमिका को और अधिक पारदर्शी एवं जिम्मेदार बनाना था।

प्रशिक्षण के दौरान मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार अथवा संस्था द्वारा टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म आदि पर प्रसारित सभी विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण (दृश-औडिओइंट्रल्) अनिवार्य है।

यह निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान दिवस एवं उससे एक दिन पूर्व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का भी प्रमाणीकरण आवश्यक होगा ।

इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रचार सामग्री भ्रामक, आपत्तिजनक या मतदाताओं को प्रभावित करने वाली न हो। मीडिया एवं एम.सी.एम.सी. कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि मीडिया मॉनिटरिंग समिति (टउउउ) का एक प्रमुख कार्य होंइड न्यूजह्न की पहचान कर उसे संबंधित निवाची पदाधिकारी को रिपोर्ट करना है। उन्होंने पेड न्यूज की पहचान के लिए कुछ प्रमुख संकेतों का उल्लेख किया, जिनमें समाचार और विज्ञापन का समान प्रारूप या शैली में प्रकाशित होना, एक ही उम्मीदवार के पक्ष में विभिन्न समाचार पत्रों में समान सामग्री का प्रकाशित होना, किसी प्रत्याशी को असमान रूप से अधिक कवरेज देना तथा समाचार के रूप में प्रचारात्मक या अप्रमाणित दावे प्रस्तुत करना शामिल है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई समाचार होंइड न्यूजह्न के रूप में प्रमाणित होता है, तो उसकी लागत राशि संबंधित उम्मीदवार के चुनाव व्यय खाते में जोड़ी जाती है।

भुगतान किया जा चुका है। राज्यभर के दुग्ध उत्पादकों में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत अनुदान और लाभार्श वितरण से खुशी की लहर है। राजद्राज ने बताया कि राजस्थान राज्य की सहकारी डेयरियों में दुग्ध संकलन में लगातार हो रही बढ़ोतरी में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादकों को मिलने वाले अनुदान का बहुत बड़ा योगदान है। राजस्थान राज्य के सभी दुग्ध उत्पादकों को आश्चस्त किया है कि दुग्ध उत्पादकों की सामाजिक एवं आर्थिक समृद्धि के लिये आरसीडीएफ कृत संकल्प है।

उपराष्ट्रपति के आवास पर बम की सूचना पर मचा हड़कंप, चप्पे-चप्पे में सघन तलाशी

चेन्नई 17 अक्टूबर (पीएमए) उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के मायलापुर इलाके में स्थित पुराने आवास पर बम की अफवाह से सनसनी फैल गई। इस्टेट पुलिस स्टेशन को धमकी भरा ईमेल मिला। जांच में पता चला कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने करीब एक साल पहले मायलापुर का घर खाली कर दिया था और अब वे पोएस गार्डन में एक किराए के अपार्टमेंट में रह रहे हैं। धमकी भरे ईमेल के बाद पुलिस तुरंत हारकत में आई। उन्होंने खोजी कुत्तों और बम विशेषज्ञों की टीम के साथ पोएस गार्डन स्थित अपार्टमेंट का निरीक्षण करने का प्रयास किया, लेकिन वहां का मकान बंद मिला। इसके कारण पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल की सत्यता जांचने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। उन्होंने संदिग्ध ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल को भी अलर्ट कर दिया है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि धमकी असली है या कोई मजाक। पुलिस ने मायलापुर स्थित पुराने आवास की भी जांच की, लेकिन वहां भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पोएस गार्डन और मायलापुर इलाके में पुलिस की गश्त तेज कर दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि वे ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

उपराष्ट्रपति के कार्यालय ने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार उनकी सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है, क्योंकि धमकी उनके वर्तमान निवास से संबंधित नहीं थी। पिछले कुछ समय में चेन्नई में स्कूलों, मीडिया दफ्तरों, आईटी कंपनियों और अन्य संस्थानों को बम की धमकी मिल चुकी है। टीवीके पार्टी के प्रमुख और एक्टर विजय को धमकीभरे दो ईमेल मिलने के बाद उनकी सुरक्षा कड़ी कर दी गई। होटल के एक कर्मचारी को धमकी भरा ईमेल भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बिहार विधानसभा चुनाव में एंट्री के साथ सामने आया खेसारी लाल यादव का दबंग अवतार, रिलीज किया नया गाना

नई दिल्ली 17 अक्टूबर (पीएमए) **भोजपुरी सिनेमा के सिंगर और एक्टर खेसारी लाल यादव** कल से ही सुर्खियों में छापे हुए हैं। सिंगर ने बिहार विधानसभा चुनाव में एंट्री मारते हुए राजद ज्वानर कर ली है। उन्होंने अकेले नहीं बल्कि अपनी पत्नी चंदा सिंह के साथ पार्टी का दामन थामा है और छपरा का जमीनी मैदान में उतरेगे। पहले खबरे थीं कि उनकी पत्नी चंदा सिंह चुनाव लड़ेंगी, लेकिन अब उस सीट से खेसारी लाल यादव चुनाव लड़ने वाले हैं। इसी बीच उनका नया गाना रिलीज हो गया है। गुरुवार को राजद में एंट्री के बाद खेसारी लाल यादव अब अपने लेटेस्ट सॉन्ग से धमाल कर रहे हैं। उनका नया गाना "जियो-जियो खेसारी" रिलीज हो गया है। खेसारी लाल यादव को टेग करते हुए रॉकेट रील ने नए गाने की झलक डाली है, जिसमें खेसारी को एआई की मदद से फिल्माया गया है। गाने के बोल भी बहुत धाकड़ हैं, जिसमें कहा गया है- "जब अन्याय फिर उठाता है तो मैं दीवार बन जाता हूं, और जब अपने रोते हैं तो मैं हथियार बन जाता हूं।" छोटे से सॉन्ग क्लिप में खेसारी को भगवान शिव के सामने आराधना करते दिखाया गया है और उनका अलग ही स्वींग देखने को मिल रहा है। सॉन्ग को जोश, ताकत और भावनाओं का मेल बताया गया है।

गाने के कैप्शन में लिखा गया है "जियो जियो खेसारी"।-एक ऐसा गाना जो जोश, ताकत और भावनाओं का जश्न मनाता है।" बता दें कि गाने को खेसारी लाल यादव और दाक्षिण सबरी ने मिलकर गाया है। गाना फैंस के बीच आते ही छा गया था और अभी फैंस सिंगर को चुनाव जीतने की बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "हमारे विधायक भैया, तुफान हैं तुफान और चुनावी मैदान में सबको पीछे छोड़ने वाले हैं।" एक दूसरे यूजर ने लिखा, "युवा नेता छपरा विधान सभा..सबका समर्थन आपके साथ है।"

वर्क फ्रंट को मिला करे तो खेसारी लाल यादव फिल्म 'जमानत' में दिखने वाले हैं। फिल्म से सिंगर का पहला लुक भी सामने आ गया है, जो काफी धाकड़ है। फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ, लेकिन फिल्म के पोस्टर से भी फैंस के बीच बज बन गया है। इसके अलावा, खेसारी लगातार गाने भी रिलीज कर रहे हैं। उनमें 'गजब तोहार नैना', 'लाल घघरी', 'आरती उतारन मां' और 'माई के झुननवा' शामिल हैं।

अब युद्ध कई मोर्चों पर लड़े जा रहे हैं, भारत को इस नई रेस में आगे रहना है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली 17 अक्टूबर (पीएमए) **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने शुक्रवार को नासिक में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की तीसरी उत्पादन लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया। यह उपलब्धि भारत की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि यह जानकर बड़ी खुशी हुई कि नासिक की टीम ने सुखोई-30 पर ब्रह्मोस मिसाइल को सफलतापूर्वक स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। यह वही ब्रह्मोस है, जिसने 'ऑपरेशन सिंदूर'

के दौरान आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया था। भारत की सुरक्षा से जुड़ा हुआ जो पूरा इतिहास है, उसमें महज कुछ ही पल ऐसे रहे हैं, जब एक साथ पूरे सिस्टम की असली परीक्षा ली गई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ऐसा ही एक मिशन था। इस मिशन में हमारी सेनाओं ने न सिर्फ अपने शौर्य का परिचय दिया, बल्कि स्वदेशी प्लेटफॉर्म पर अपने भरोसे को भी साबित किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान एचएएल की टीम ने 24 घंटे लगातार विभिन्न ऑपरेशन साइटों का सपोर्ट दिया। लड़ाकू विमानों जैसे सुखोई, जगुआर, मिराज, तेजस और

चनौती बड़ी नहीं रह जाती। हमें अब सिर्फ एलसीए तेजस या एचटीटी-40 तक सीमित नहीं रहना है। अब समय है कि हम अगली पीढ़ी के एयरक्राफ्ट, अनमैड सिस्टम और सिविल एविेशन के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाएं। पिछले छह दशकों से भी अधिक समय से, एचएएल नासिक ने भारत की रक्षा निर्माण क्षमता को, नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में, एक मजबूत स्तंभ की भूमिका निभाई है। नासिक एक तरफ रक्षा निर्माण यानी कि निर्माण का प्रतीक भी है, और दूसरी तरफ जरूरत पड़ने पर दुश्मनों के संहार की भी

क्षमता रखता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय था, जब देश रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। आज इस स्थिति में बदलाव आया है, अब भारत 65 प्रतिशत निर्माण अपनी ही धरती पर कर रहा है। बहुत जल्द हम अपने घरेलू निर्माणों को भी 100 प्रतिशत तक ले जाएंगे। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की सोच कोई आज की नहीं है। दस साल पहले से ही, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, हमारी सरकार ने यह स्पष्ट रूप से समझ लिया था



रहे हैं ताकि देश की
अखंडता कमजोर हो।
ह पुरुष सरदार

वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत
दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563
रियासतों को भारत गणराज्य में

विलय कर राष्ट्रीय एकता को
मजबूत किया। उन्होंने कहा कि
आज उत्तर से दक्षिण और पूरब से

अखंडता के संदेश को हर गांव और
हर विधानसभा तक पहुंचाया जाए।
मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि 31
अक्टूबर को हारन फॉर यूनिटी का
आयोजन पूरे प्रदेश में होगा। इसके
बाद 1 नवंबर से 26 नवंबर तक
हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10
किलोमीटर लंबी हृदयकता पदयात्रा

बताया कि 26 नवंबर को संविधान
दिवस मनाया जाएगा, जो बाबा
साहब भीमराव आंबेडकर को
कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर
है। इस दिन प्रत्येक जिले से पांच
युवाओं को दिल्ली भेजा जाएगा,
जहां से वे गुजरात में होने वाली
पदयात्रा में शामिल होंगे।

देश का दर्पण न्यू
त्यौहारी सीजन में
खिलवाड़ करने वा
के नमूने लेकर खर
रही है। इसी क्रम
कलक्टर श्रीनिधि
अधिकारी डॉ. धर्म
एरिया धौलपुर स्थित
एक नमूना बर्फी त
किलो मिलक केक
पाड़ा स्थित डीपिंग
अधिकारी पदम सि
होने पर अग्रिम कार
द्वारा मुस्तादी के न
मिलावट के विरुद्ध
जाएगा।

लगेगा 101
भा भोग

प्राचीन महालक्ष्मी
करने के लिए 101



समुद्धि के लिए 2
दर में चढ़ा दे
र से सोना, चांदी, के
कमल गट्टे की

महोत्सव 24
गा

क (शासन) सचिव
ज्य कर्मचारी संयुक्त
सरकार द्वारा बजट
वार्ता नहीं होने के
लिया था। वार्ता के
प्रतापिका कि उन्हें हाल
मुद्दों को विस्तार से
के दीपावली के बाद
कर्मचारियों की मांगों
ता में कार्मिक शासन
दीपाली भगतानी,
संरक्षक श्री कुलदीप
धामंत्री श्री देवेन्द्र सिंह
गर्मिक शासन सचिव
दीपावली मनाने

सिंह सावना
राशि वितरित

न कुमार, साहिल



ग अभियान तब तक
न का मुआवजा नहीं
पाल सिंह सावना ने

एसडीएम अबोहर ने अंतरराज्यीय सीमा पर पुलिस/मंडी बोर्ड द्वारा लगाए गए बैरियर का औचक निरीक्षण किया

अबोहर, 17 अक्टूबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

एसडीएम अबोहर, श्री कृष्ण पाल राजपूत ने अंतरराज्यीय पंजाब-राजस्थान सीमा पर पुलिस/मंडी बोर्ड द्वारा लगाए गए बैरियर का औचक निरीक्षण किया। * उन्होंने जिला पुलिस को फाजिल्का जिले की अनाज मंडियों में पड़ोसी राज्यों से धान की अवैध आवक रोकने के लिए कड़ी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी जिला मंडी अधिकारियों और मार्केट कमेटी के सचिवों को मंडियों में अन्य



राज्यों से धान की आवक पर कड़ी नजर रखने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाहर से बड़ी मात्रा में फसल आने की

आशंका के चलते राजस्थान की सीमा से लगी मंडियों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को

पड़ोसी राज्य से लगती सीमाओं पर विशेष अंतरराज्यीय सीमा चौकियाँ स्थापित करने के निर्देश दिए हैं।

उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर ने किसान नेताओं के साथ बैठक की

फरीदकोट, 17 अक्टूबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर ने संयुक्त किसान यूनियन जिला फरीदकोट के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष बैठक की और मंडियों में किसानों की समस्याओं को सुना तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनका तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। इस बैठक में कृषि विभाग के अधिकारी, विभिन्न गांवों के सरपंच और किसान संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के दौरान, संयुक्त किसान यूनियन जिला फरीदकोट के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर को जिले की मंडियों में धान की फसल को लेकर आ रही समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किसानों को



मंडियों में धान की नमी, दोमूही फसल बोने आदि जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, उन्होंने उपायुक्त को डीएवीपी खाद की कमी के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर उपायुक्त महोदया पूनमदीप कौर ने किसानों को उनकी मांगों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने मंडियों की जाँच के

लिए टीमें गठित की हैं, जो मंडियों की जाँच करेंगी। उन्होंने कहा कि सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में डीएवीपी खाद उपलब्ध कराई जाएगी और इसके अलावा, खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार छपेमारी भी की जाएगी। इसके अलावा, उपायुक्त महोदया पूनमदीप कौर ने किसानों को बताया कि

सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए कई सुविधाएँ प्रदान की हैं, जैसे हैप्पी सीडर, सुपर एसएमएस, मल्टर, रिवर्स प्लाउ और रोटावेटर आदि पर सब्सिडी। उन्होंने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जहाँ किसान मदद के लिए संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि जो किसान पराली जलाने के बजाय प्रबंधन उपकरणों का उपयोग करेंगे, उन्हें सरकार द्वारा पूरा समर्थन और प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वायु और स्वस्थ पर्यावरण हम सभी का साझा लक्ष्य है, इसलिए हमें मिलकर इस जिम्मेदारी को निभाना होगा।

बारां, राजस्थान
बारां, 17 अक्टूबर :
सिंह तोमर एवं सीडर
निर्देशन में अंता वि
से अंता स्थित एनए
किया गया। विकास
का संकल्प करार
की अपील की। अ
सशक्तिकरण में म
करने एवं लोगों क
अमित भार्गव ने स
माध्यम से आदर्श
100 मिनट में सम
चुनाव उम्मीदवारों
संकल्प पत्र भरवा
होकर वोट करें वे
जागरूक किया, इ
जागरूकता गीत क
भील द्वारा सिलाई
मतदान का संकल्प
आर) डीएस कुहा
विजेश सांमरिया,
एचआर अधिकारी
प्रबंधक निशांत कु
सदस्य रामचरण म
अधिकारी कर्मचारी

उत्साह के साथ लिया मतदान का संकल्प सी विजिल हैं, तो डरना क्यों

बारां, राजस्थान

बारां, 16 अक्टूबर। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशन एवं



करने की बात कही, प्रभारी भार्गव ने नव मतदाताओं को प्ले स्टोर से वोटर हेल्पलाइन, सिविजिल, एवं केवाईसी एप डाउनलोड करवाया

सचिव रेख
किशोर गु
दौरान सभ

जयपुर/संपादकीय

फेस्टिव सीजन में मिठाई बनाते समय अपनाएं ये टिप्स, नहीं बिगड़ेगा स्वाद



फेस्टिवल सीजन यानी घर में खुशियां, रैतक और सबसे जरूरी मिठाइयों की भिडल. दिवाली से लेकर भाई दूज सभी त्यौहार या किसी खास अवसर पर कुछ लोग घर पर मिठाई बनाते हैं. हालांकि कई बार मिठाइयों का स्वाद या टेक्सचर सही नहीं आता, जिससे पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है.

ऐसे में मिठाई बनाते समय आपको इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए.

धनतेरस से फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो जाएगी और भाई दूज तर देशभर में इसकी धूम देखने को मिलेगी. इस दौरान सभी अपनों घरों को डेकोरेट करते हैं. हर खुशी, सौभाग्य और फेस्टिवल के मौके पर लोग एक दूसरे का मुंह मीठा करवाते हैं. सभी तरह के त्यौहार और पूजा में भी मिठाइयों को भाग भगवान को लगाया जाता है और प्रसाद के रूप में यह बहुत महत्वपूर्ण होती है. इसी तरह दिवाली पर भी लोग एक दूसरे से घर मिठाइयां और गिफ्ट्स देने जाते हैं. मिठाइयों की दुकानों में इस दौरान बहुत भीड़ देखने को मिलती है, उसी तरह कई जगहों से मिलावट की खबरें में सामने आती हैं.

मिठाई बनाते समय कुछ मिलावटखोर अपने फायदे के लिए इसमें मिलावट करते हैं, जिसे खाने के बाद व्यक्ति की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है. ऐसे में कई लोग घर पर मिठाई बनाने के बारे में सोचते हैं. लेकिन मिठाई का टेस्ट सही नहीं आ पाता है. दरअसल कई बार छोटी-छोटी गलतियों की वजह से स्वाद या बनावट खराब हो जाती है. इसलिए मिठाई बनाते समय आपको इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए.

सही क्वालिटी के इंग्रीडिएंट्स

सबसे जरूरी बात कि मिठाई बनाने में उपयोग किए जाने वाले इंग्रीडिएंट्स जैसे कि दूध, खोया, मावा, घी, बेसन, चीनी और ड्राई फ्रुट्स यह सभी अच्छी क्वालिटी के हों. बासी या फिर खराब इंग्रीडिएंट्स मिठाई का स्वाद बिगड़ सकते हैं. ताजा दूध और मावा, ताजा देसी घी और साफ चीनी का उपयोग करें. आप बिना मसाले वाले गुड़ का भी उपयोग कर सकते हैं.

सही क्वांटिटी

मिठाई या फिर कोई भी खाने की चीज बनाते समय इंग्रीडिएंट्स को नाप तौल कर डालना बहुत मायने रखता है. सभी को देखकर रेसिपी के अनुसार माप कर ही डालें. कोई चीज ज्यादा या कम होने से स्वाद खराब हो सकता है. जैसे कि लड्डू बनाते समय घी कम डाला को वह सख्त बनेंगे और ज्यादा डालने से वह बहुत ज्यादा सॉफ्ट बन सकते हैं.

चीनी की चाशनी का सही टेक्सचर

रसगुल्ला, बर्फी, गुलाब जामुन और जलेबी जैसी मिठाइयों के लिए चाशनी जरूर बनाई जाती है. ऐसे में पहले इसे बनाने की विधि को सही से समझें. 1 तर वाली चाशनी का उपयोग गुलाब जामुन, जलेबी और इमरती और मीठी बूंदी के लिए किया जाता है, तो मिठाई चाशनी को एक्जॉबर् कर लेती हैं. वहीं 2 तर चाशनी यूज , गुश्मिया, मठरी और शकर परे में डाला जाते हीं, जो परसते समय ऊपर चढ़ाई जाती है. 3 तर चाशनी का उपयोग बूरा, बर्फी या बताशे बनाने के लिए किया जाता है.

खोया या मावा घर पर बनाएं

अगर संप्लव हो तो खोया या मावा बाजार से लाने की बजाय घर पर बनाएं. यह ज्यादा ताजा और शुद्ध होता है और इससे मिठाई का स्वाद भी बेहतर होना. दूध को धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए घाटा करें. जब तक वह मावे जैसा गाढ़ा न हो जाए, पकाते रहें. ध्यान रखें दूध कढ़ाई पर न चिपके.

ज्यादा मात्रा में न बनाएं

अगर आप पहली बार कोई मिठाई बना रहे हैं, तो कम मात्रा में बनाएं. इसका स्वाद और टेस्चर चेक करें. इससे इंग्रीडिएंट्स खराब नहीं होंगे और आप उसमें सुधार भी कर सकेंगे.

तालिबान और मनुवाद साथ-साथ

निर्मंत्रण भेजने का फ़ैसला किया था, इसके अलावा कोई और इरादा नहीं था।

इस जवाब को मासूम भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह महिलाओं को चारदीवारी में कैद रखने की शातिराना सोच से उपजा जवाब है। अफगान दूतावास अपने रोजमर्रा के संचालन के लिए कई स्तरों पर विदेश मंत्रालय से संपर्क में रहता होगा, अगर वो चाहता तो प्रेस कांफ्रेंस के लिए सीधे-सीधे विदेश मामले देखने वाले पत्रकारों की सूची मांगता और आराम से सारे पत्रकारों से संपर्क करता। लेकिन महिलाओं का जो



बुरा हाल तालिबान ने अफगानिस्तान में किया है, उसकी झलक यहां भी दिखाने की कोशिश तालिबान ने की और सबसे ज्यादा दुख की बात ये है कि मोदी सरकार ने अपनी रणनीतिक सुविधा के लिए उस कोशिश को कामयाब होने दिया। हालांकि देश में लोकतंत्र अब भी कायम है तो इस फ़ैसले का पुरजोर विरोध हुआ, जिसके बाद रविवार को फिर से मुत्ताफी ने प्रेस कांफ्रेंस की और इस बार सारे पत्रकारों की सूची भी मिल गई, जिनमें महिलाओं का भी नाम था। कई तस्वीरें आई हैं, जिनमें महिलाएं पहली पंक्ति में बैठकर मुत्ताफी से सवाल कर रही हैं। लेकिन क्या इन तस्वीरों को सुखांत कहा जा सकता है। क्या अंत भला तो सब भला कहकर एक बड़े गंभीर मुद्दे को खत करना उचित होगा। याद रखिए कि मुत्ताफी की पहली प्रेस कांफ्रेंस में जब सारे पुरुष पत्रकारों को ही बुलाया गया, तो इनमें से किसी ने भी तब इस पर आपत्ति नहीं की लेकिन महिला साथियों को बाहर क्यों रखा गया है। अगर की हो, तो इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अगर ये 16 पुरुष पत्रकार महिला पत्रकारों के साथ एकजुटता दिखाते हुए तालिबानी विदेश मंत्री का बहिष्कार करते, तब सोचिए कैसा बहिया संदेश दुनिया में जाता। प्रेस स्वतंत्रता इंडेक्स में तो भारत मोदी सरकार के रवैये के कारण पिछड़ता ही जा रहा है, लेकिन कम से कम एक मजबूती यहां दिखाई जा सकती थी। अफ़सोस कि वहां मौजूद पुरुष पत्रकार एक ऐतिहासिक पल रचने से चूक गए।बहरहाल, रविवार की प्रेस कांफ्रेंस में मुत्ताफी से एक सवाल तो महिलाओं को बाहर रखने पर हुआ ही, जिसका जवाब आप ऊपर पढ़ चुके हैं, फिर उनके सामने आया वो सवाल जिसकी वजह से वो महिला पत्रकारों को बाहर रखना चाहते थे। मुत्ताफी से सवाल किया गया, %आप देवबंद गए वहां और ईरान, सीरिया और सऊदी में महिलाओं और लड़कियों को पढ़ने से नहीं रोका जाता है, उन्हें स्कूल और कॉलेज जाने से नहीं रोका जाता है, आप अफ़गानिस्तान में ऐसा क्यों कर रहे हैं? अफ़गानिस्तान की महिलाओं को शिक्षा का अधिकार कब मिलेगा?

संपादकीय

विकास दर की लय

चाहिए। जिसके मूल में तमाम व्यापारिक व्यवधान, अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और सख्त वित्तीय स्थितियों जैसे घटक भी शामिल हो सकते हैं। जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कहीं न कहीं भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकते हैं। निर्विवाद रूप से भारत की अर्थव्यवस्था में आईएमएफ का भरोसा, मजबूत भारतीय घरेलू बाजार, राजकोषीय अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए सुधारात्मक उपायों के चलते जगा है। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे पर खर्च, डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहन और बेहतर कर संग्रह ने व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत ही किया है। हालांकि निर्यात, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन की मंदी और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संयुक्तन के साथ, भारत के सामने चुनौती और अवसर दोनों ही मौजूद हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी

है कि वह वैश्विक व्यापार में संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भरता की राह में कदम आगे बढ़ाए।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि केंद्र सरकार ने अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौती को महसूस करते हुए ‘मेक इन इंडिया’ की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास एक आंदोलन के रूप में किया है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा ‘मेक इन इंडिया’ अभियान के तहत विनिर्माण पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसमें केंद्र सरकार की प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, सेमीकंडक्टर और हरित प्रौद्योगिकियों के लिये लक्षित प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना है। निस्संदेह ये प्रयास कालांतर देश के औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय दीर्घकालीन जरूरतों को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसके लिये जरूरी है कि श्रम बाजार, भूमि अधिग्रहण में सुधार और व्यापार में कामकाज को

आसानी को बढ़ावा दें। निस्संदेह, इन क्षेत्रों में गहन संरचनात्मक सुधारों की सख्त आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की ही होनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने से लोगों की ऋय शक्ति प्रभावित होती है, जिससे मांग व पूर्ति का संतुलन बिगड़ता है। वहीं दूसरी ओर कृषि उत्पादकता और रोजगार सृजन को भी नीतिगत एजेंडे के केंद्र में रखना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की आर्थिक सफलता की कहानी हमारे सर्वर्क आत्मविश्वास की परिणति है। देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन ने इसे कई बाहरी झटकों से बचाया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी आत्मसंतुष्टि इस लाभ को कम सकती है। इसके अलावा दीर्घकालिक स्थिरता के लिये, अगर सरकार को राजकोषीय विवेक बनाए रखना होगा। वहीं दूसरी तरफ मानव पूंजी, उत्पादकता और नवाचार में निवेश को बढ़ाना होगा। निस्संदेह, हमारा विकास तभी सार्थक होगा जब वह समावेशी हो।

भ्रष्ट त्यवस्था से कब तक होती रहेंगी निर्दोषों की मौत



की। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि जिन कफ सिरप पर संदेह था, उनमें कोई भी जहरीला रसायन नहीं मिला है। जांच अभी पूरी नहीं हुई है और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल जारी है।यह पहला मामला नहीं जब कफ सिरप से मौतों को लेकर बवाल मचा है। साल 2022-23 में गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भी भारतीय कफ सिरप्स से बच्चों की मौत हुई थी। गाम्बिया में 70 बच्चों की मौत हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन न इन मौतों को सिरप से जोड़ते हुए कहा था कि दवाओं में विषाक पदार्थों का स्तर अस्वीकार्य पाया गया है। इसका मेडेन फार्मास्यूटिकल्स और भारत सरकार दोनों ने इसका खंडन किया था। भारत ने कहा था कि घरेलू

स्तर पर परीक्षण के दौरान सिरप गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए।उज्बेकिस्तान सरकार ने दिसंबर 2022 में 65 बच्चों की जान लेने वाले दूषित कफ सिरप वितरित करने वाली कंपनी पर देश के अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण से बचने के लिए स्थानीय अधिकारियों को 33,000 डॉलर की रिश्तत देने का आरोप लगाया था। कंपनी ने आरोपों से इनकार किया था। इसी तरह दिसंबर 2022 में नेपाल ने 16 भारतीय दवा कंपनियों को काली सूची में डाल दिया। काली सूची में डाली गई 16 कंपनियां इन दावों का कोई जवाब नहीं दिया है। वर्ष 2013 में रैनबेक्सी ने एक अमेरिकी अदालत में आपराधिक अपराध के सात मामलों में दोषी

ठहराया और 50 करोड़ डॉलर (44.5 करोड़ पाउंड) का जुर्माना भरने पर सहमति जताई, तब भारतीय वाणिज्य मंत्रालय ने दावा किया था कि निहित स्वार्थ भारत में विनिर्माण गुणवत्ता को लेकर छिंटपुट मुद्दे उठा रहे हैं।भारतीय दवा निर्यात की गुणवत्ता के बारे में शिकायत करने वाले केवल अमेरिकी और यूरोपीय देश ही नहीं थे। 2014 में, वियतनाम ने 45 भारतीय दवा कंपनियों को काली सूची में डाल दिया और उसके बाद 2016 में 39 और कंपनियों को काली सूची में डाल दिया। श्रीलंका, घाना, नाइजीरिया और मोजाम्बिक ने भारतीय दवा निर्यात की गुणवत्ता के बारे में शिकायत की थी। इन मामलों में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया थी कि प्रतिस्पर्धी भारतीय कंपनियों को बदनाम करने की विदेशी दवा कंपनियों की साजिश के रूप में चित्रित करने की रही है। हमारे देश में भारतीय सरकारी प्रयोगशालाओं में दवाओं के गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के हज़ारों मामले सामने आए हैं। यह आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज है। भारत सरकार द्वारा संचालित एक डेटाबेस में 8,000 से ज्यादा ऐसी दवाइयां सूचीबद्ध हैं जो गुणवत्ता परीक्षणों में विफल रहीं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का निर्यातक है, जो विकासशील देशों की अधिकांश चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है। लेकिन यह आरोप कि इसकी दवाओं ने गाम्बिया जैसी त्रासदी पैदा की है और उज्बेकिस्तान तथा अमेरिका जैसे अन्य देशों में भी विनिर्माण पद्धतियों और गुणवत्ता मानकों पर सवाल खड़े किए गए। तब भारत ने कंपनियों के लिए निर्यात से पहले कफ सिरप के नमूनों की सरकारी अनुमोदित प्रयोगशालाओं में जाँच अनिवार्य करने जैसे कदम उठाए थे। मार्च 2023 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत ने 25.4 अरब डॉलर (20 अरब) मूल्य की दवाइयाँ निर्यात कीं। इनमें से 3.6 अरब डॉलर अफ्रीकी देशों को निर्यात की गईं। गाम्बिया विवाद और कथित रूप से विषाक या अप्रभावी दवाओं के अन्य मामलों के बावजूद, यह उद्योग फल-फूल रहा है। सवाल यही है कि आखिर राजनीतिक दल और सरकारें कब तक यूं ही लोगों को भ्रष्ट व्यवस्था का शिकार बनते हुए देखती रहेंगी। किसी एक घटना के स्मृति से विलुप्त होने के बाद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति आखिर कब थमेगी। देश में इतने कानून होने के बावजूद ऐसी घटनाएं कैसे होती हैं। राजनीतिक दलों की निहित स्वार्थों से हट कर इस पर सोचने की जरूरत है कि आम लोगों के जीवन को कब तक इस तरह लालफीताशाही और भ्रष्टाचार के हवाले कर दाव पर लगाया जाता रहेगा।

अरविंद केजरीवाल ने सरकार से मशहूर गायक जुबिन गर्ग के मौत के जांच की अपील की

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने असम के मशहूर गायक जुबिन गर्ग की संदिग्ध मौत पर सरकार से जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनको न्याय मिलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर मशहूर गायक जुबिन गर्ग के मौत की सरकार से जांच की अपील की करते हुए लिखा है कि पिछले महीने मशहूर गायक जुबिन गर्ग की संदिग्ध मौत ने पूरे असम ही नहीं, बल्कि देशभर के संगीत प्रेमियों को झकझोर दिया था। केजरीवाल ने कहा कि सरकार से हमारी अपील है कि जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस मामले की निष्पक्ष और तेज जांच कराई जाए। इस मामले की न्यायिक प्रक्रिया को भी तेज किया जाए। उन्होंने कहा कि जुबिन के परिजनों और करोड़ों प्रशंसकों को न्याय मिलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान 52 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। जुबिन गर्ग एक असमिया गायक, गीतकार, संगीतकार, अभिनेता और फिल्म निर्माता थे, जो मुख्य रूप से असमिया, बंगाली और हिंदी भाषाओं में काम करते थे। उन्होंने 33 साल के करियर में 40 भाषाओं में 38,000 से ज्यादा गाने गाए थे।

एसएयू गर्ल्स हॉस्टल वार्डन डॉ. रिंकू देवी गुप्ता को पद से हटाया, सहायक अनुपमा अरोड़ा निलंबित

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (एसएयू) में एक कथित यौन उत्पीड़न की घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की करते हुए गर्ल्स हॉस्टल की वार्डन डॉ. रिंकू देवी गुप्ता को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया गया है, जबकि हॉस्टल की सहायक द्वितीय अनुपमा अरोड़ा को जांच रिपोर्ट जमा होने तक निलंबित कर दिया गया है। यह फैसला छात्रों के लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच लिया गया है। घटना 13 अक्टूबर को परिसर के निर्माणधीन क्षेत्र में हुई, जहां एक प्रथम वर्ष की बीटेक छात्रा के साथ चार अज्ञात लोगों ने कथित रूप से गैररिपे किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर मामले को दबाने का आरोप लगाते हुए कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने डॉ. गुप्ता और अनुपमा अरोड़ा पर सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का इल्जाम लगाया था।

बिहार चुनाव - बुर्का पहनने वाली महिलाओं पर टीएन शेपन के 1994 के दिशानिर्देश लागू होंगे

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 'पर्दानशी' (बुर्का पहनने वाली) महिलाओं के संबंध में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेपन के 1994 के फैसले को बिहार विधानसभा चुनाव में लागू करने का निर्णय लिया है। 'राज्य विधानसभाओं के आम चुनाव (1994) महिला मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों में विशेष सुविधाएं' वाले ईसीआई आदेश का हवाला देते हुए आयोग ने जोर दिया कि बिहार में पर्दानशी महिलाओं के लिए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेपन के 1994 के निर्णयों को लागू किया जा रहा है। 1994 में टीएन शेपन ने विशेष दिशानिर्देश जारी किए थे, जिसमें मतदान अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि वे ऐसी संवेदनशीलताओं का सम्मान करते हुए ऐसी व्यवस्थाएं करें, ताकि महिलाएं बिना किसी डर या पहचान संबंधी चुनौतियों के अपने मतधिकार का उपयोग कर सकें। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के 1994 के आदेश के अनुसार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर और प्रेसाईडिंग ऑफिसर यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि महिला मतदाताओं को लेडी स्टाफ की उपस्थिति में मतदान करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएं। आदेश में कहा गया कि जहां महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है (लगभग 50 प्रतिशत या उससे अधिक) और वे सामाजिक परंपरा के रूप में बुर्का या पर्दा प्रथा का पालन करती हैं।

यूट्यूबर एल्विश व सिंगर फाजिलपुरिया के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

गुरुग्राम। अपने गानों में सांपों का इस्तेमाल कर वाइलडलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लंघन करने के आरोपों में फंसे यूट्यूबर एल्विश यादव और सिंगर राहुल फाजिलपुरिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशेष पीएमएलए अदालत गुरुग्राम में चार्जशीट दाखिल कर दी। चंडीगढ़ की म्यूजिक कंपनी स्काई डिजिटल को सह-आरोपी बनाया गया। अब ईडी ने पीएमएलए अदालत में दाखिल किए गए आरोप पत्र में कहा है कि स्काई डिजिटल कंपनी इस गैरकानूनी गतिविधि में संलिप्त थी। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि एल्विश गतिविधि से की गई कमाई को प्रोपर्टी में निवेश किया गया था। इसे देखते हुए ईडी ने उनकी 55 लाख रुपये की संपत्ति अटैच की है। पीपुल्स फॉर एनिमलस के सदस्य सौरभ गुप्ता ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि फेमस हस्तियों द्वारा जीव-जंतुओं का के इस तरह से गलत इस्तेमाल से समाज में अच्छे संदेश नहीं जाता।

विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में डीयू के विधि संकाय छात्रों से किया संवाद

एजेंसी नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैम्पस लॉ सेंटर-II के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों से विधानसभा परिसर में संवाद किया। यह छात्र शैक्षणिक भ्रमण के लिए विधान सभा आए थे ताकि वे भारत की विधायी संस्थाओं के इतिहास और कार्यप्रणाली को नजदीक से समझ सकें। गुप्ता ने छात्रों का स्वागत करते हुए उन्हें दिल्ली विधान सभा की गौरवशाली इतिहास, विधायी प्रक्रिया और संवैधानिक ढांचे के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने अध्यक्ष के साथ विधान सभा सदन का भी भ्रमण किया।

अपने संबोधन में गुप्ता ने विधानसभा भवन के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जब वर्ष १९12 में भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित किया गया था, तब पुराना सचिवालय भवन केंद्रीय विधान सभा के रूप में कार्य करता था। लुटियंस दिल्ली के तैयार होने



और विड्लतभाई पटेल जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन व्यक्तित्वों ने भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की मजबूत नींव रखी।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान विधान सभा परिसर लगभग 22 एकड़ में फैला है और

मुख्यमंत्री ने कालिंदी कुंज पर यमुना की स्वच्छता तैयारियों का किया निरीक्षण, बोलीं- छठ पर नहीं दिखाई देगा झाग

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कालिंदी कुंज (मदनपुर खादर) क्षेत्र में यमुना नदी की स्वच्छता और झाग नियंत्रण के लिए बरती जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने वहां यमुना के पानी की जांच के लिए कार्य कर रहे ऑन-साइट लैब सेटअप की रिपोर्ट की भी जांच की और यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। यह लैब दिल्ली जल बोर्ड के ट्रीटमेंट प्लांट एंड क्वालिटी कंट्रोल विंग के तहत कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग यमुना की स्थिति को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनसे बचना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने फिर दोहराया कि छठ पर्व के दौरान यमुना में इस बार झाग नहीं दिखाई देगा और श्रद्धालु यमुना नदी में पूरे मनोयोग से इस पर्व

को मनाएंगे। मुख्यमंत्री के साथ इस दौरे में विकास व पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा भी रहे। यमुना नदी के पानी की जांच व अन्य जानकारी लेने के बाद



मुख्यमंत्री ने बताया कि आज यमुना नदी के जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा 4.0 मिलीग्राम प्रति लीटर पाई गई। यह मात्रा नदी के लिए पर्याप्त है और जलीय जीवों के जीवन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। यह मात्रा अगर 2 या उससे

नीचे हो तो यमुना व जलजीवों के लिए खतरा बन सकती है। मुख्यमंत्री के अनुसार एक समय था, जब यमुना में ऑक्सीजन लेवल शून्य से भी नीचे

चला गया था और उस स्थिति में किसी भी जलीय जीव का जीवित रहना असंभव था। आज जो सुधार देखा जा रहा है, वह दिल्ली में लगातार डीसिल्टिंग, आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपीएस) के पुनरुद्धार और नालों

बवाना में सीवर और सड़क के अधूरे कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बवाना में चल रही सीवर परियोजनाओं को लेकर दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में रविंद्र इंद्राज ने बवाना के बेगमपुर और शाहबाद की कई कॉलोनियों में चल रही सीवर परियोजनाओं में देरी से स्थानीय निवासियों को हो रही दिक्कतों के बारे में बताया। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को कार्य जल्द एवं पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि शाहबाद जीओसी एवं बेगमपुर जीओसी के अंतर्गत चल रहे सीवर परियोजनाओं का कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है। जो कार्य अब तक हुआ है, वह भी संतोषजनक नहीं है। अधूरे सीवर लाइनों, ओवरफ्लो तथा अस्वच्छ

परिस्थितियों के कारण स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है। इन परियोजनाओं के पूरा न होने के कारण सड़क, नाले, और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े बाकी विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। जल मंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड को शेष कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके



साथ ही जल बोर्ड अधिकारियों को दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (डीएसआईआईडीसी) के साथ समन्वय बनाकर काम करने के भी निर्देश दिए ताकि सीवर लाइनों से

प्रभावित सड़कों की मरम्मत का कार्य भी समय पर पूरा हो। बवाना में जल आपूर्ति को लेकर समाज कल्याण मंत्री ने पल्ला एमबीआर से बवाना यूजीआर के लिए जल आवंटन की वर्तमान स्थिति, सेक्टर 23, 29 और 36 के यूजीआर को अतिरिक्त जल आपूर्ति, बवाना वाटर ट्रीटमेंट प्लांट रीसायक्लर



संयंत्र से जल वितरण की योजना, सेक्टर 36 रोहिणी यूजीआर के कमीशनिंग की योजना, सेक्टर 23, 29 और 36 यूजीआर में जल अभाव को दूर करने पर भी व्यापक चर्चा की।

दिल्ली अगले 80 दिनों तक 30 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों की मेजबानी करेगी : रेखा गुप्ता

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 'क्रिएटिव कैपिटल' कार्यक्रमों के तहत अगले 80 दिनों में राजधानी 30 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों की मेजबानी करेगी, जिनमें दुनिया भर के कलाकार, प्रतिष्ठित हस्तियों और लाखों दर्शक शामिल होंगे। दुनिया के बड़े-बड़े कलाकारों के लाइव शो आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान ट्रेविस स्क्रॉट, मेसी, एर्कॉन, एपी डिल्लो, क्रिशन दास जैसे बड़े कलाकार दिल्ली में परफॉर्म करेंगे, इससे दिल्ली के पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करत हुए कहा कि पिछली सरकारों ने कभी इस दिशा में सोचा ही नहीं, हमारी

सरकार ने आते ही इस पर काम किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली अब तेजी से इवेंट-फ्रेंडली सिटी और भारत की क्रिएटिव कैपिटल के रूप में उभर रही



है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली को इवेंट-फ्रेंडली बनाने के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। स्टेडियमों के शुल्क घटाकर, सुविधाओं को उन्नत बनाकर और सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से

परमिशन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए दिल्ली को विश्वस्तरीय आयोजनों के लिए तैयार किया गया है। यह पहल केवल संस्कृति और मनोरंजन तक



सीमित नहीं है। यह पर्यटन को नई गति, रोजगार के नए अवसर और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ताकत देने वाली पहल है। हर आयोजन के साथ होटल, परिवहन, खाद्य उद्योग, हैंडीक्राफ्ट, इवेंट मैनेजमेंट और स्थानीय बाजारों

के टैपिंग से संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना नदी के जल की गुणवत्ता की लगातार जांच हो रही है। यमुना नदी में फॉस्फेट का स्तर, जो झाग बनने का मुख्य कारण होता है, वह अब केवल 0.2 दर्ज किया गया है, जबकि इसके 2 पॉइंट से ऊपर होने पर झाग बनना शुरू हो जाते है। यमुना में अमोनिया का स्तर भी अब बहुत कम हो गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यमुना में झाग नियंत्रण के लिए उपयोग किए जाने वाले डी-फॉर्मर और अन्य रसायनिक प्रक्रियाएं पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और प्रमाणित हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी रसायन पर्यावरण, जल जीवन और जलीय जीवों के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित हैं। दिल्ली सरकार हर कदम पर पारदर्शिता और सुरुक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कर रही है और इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उप महापौर ने नरेला क्षेत्र के मुण्डका वार्ड का किया निरीक्षण एवं नागरिकों की शिकायतें सुनी

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली के उप महापौर जय भगवान यादव ने नरेला क्षेत्र के वार्ड नंबर 35 मुंडका का निरीक्षण कर जन सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उप महापौर ने नागरिकों की शिकायतें भी सुनीं। उप महापौर जय भगवान यादव ने टिकरी कलां स्थित फिरनी रोड पर नाले के साथ लगी झाड़ियों की छंटाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने इलाके की सफाई व्यवस्था के प्रति अपनी असंतुष्टता प्रकट की एवं इसे सुधारने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाली प्लांट से कूड़ा उठाने के निर्देश दिए और टिकरी कलां फिरनी रोड पर जमा पानी को जेसीबी मशीन एवं पंप लगाकर निकाला जाए। उप महापौर ने निरीक्षण के दौरान टिकरी कलां फिरनी रोड पर स्थित तालाब एवं उससे जुड़े नालों में से जीर्ण शीर्ण नाले के पुनर्निर्माण के आदेश दिए ताकि इलाके में जलनिकासी की व्यवस्था ठीक हो जाए। इसके साथ

दिल्ली सरकार का यह निर्णय उच्च शिक्षण संस्थानों की अकादमिक स्थिति के सुदृढ़ीकरण की दिशा में सार्थक कदम : अभाविप

अभाविप दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए ने कहा कि दिल्ली सरकार का यह निर्णय लंबे समय से चली आ रही वित्तीय समस्याओं को दूर करने की दिशा में सहायनीय कदम है। इससे अध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों तीनों को ही लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अभाविप आशा करती है कि सरकार आगे भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे ठोस कदम

उप महापौर ने नरेला क्षेत्र के मुण्डका वार्ड का किया निरीक्षण एवं नागरिकों की शिकायतें सुनी

ही उन्होंने कहा कि सड़क किनारे से मलबा जल्द से जल्द उठया जाए। जय भगवान यादव ने मुंडका फिरनी रोड पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य



का जायजा लिया उन्होंने कहा कि सड़क और नाले के निर्माण के बाकी बचे कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए एवं नालों से निकलने वाली गारा को उठाने के निर्देश दिए। यादव ने निरीक्षण के दौरान

स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी शिकायतों एवं समस्याओं को सुना और कहा कि दिल्ली नगर निगम की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)



का सरकार नागरिकों की समस्याओं का संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई करेगी। इस अवसर पर मुंडका के विधायक गजेन्द्र दाराल, नरेला क्षेत्र के उपायुक्त राजीव सिंह सहित नरेला क्षेत्र के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एसएयू में छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले पर एनएसयूआई ने गृह मंत्री से तत्काल कार्रवाई की मांग

एजेंसी नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (एसएयू) के परिसर में 12 अक्टूबर को एक छात्रा के साथ हुई यौन उत्पीड़न की घटना पर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) कड़ी निंदा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन ने विशेष जांच टीम गठित कर आरोप की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की अपील की है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय, दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार की असफलता का प्रतीक है। दिल्ली के दिल में ऐसी घटना, आरोपी खुले घूम रहे हैंतत्काल गिरफ्तारी, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और सुरक्षित कैम्पस की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि घटना सीसीटीवी निगरानी वाले परिसर के अंदर हुई, लेकिन चार दिन बाद भी दिल्ली पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन आरोपित की पहचान या गिरफ्तारी में नाकाम रहा। एनएसयूआई ने इसे प्रशासनिक लापरवाही और मामले को दबाने की साजिश करार दिया। वरुण चौधरी ने कहा कि आज विश्वविद्यालय ने एक वार्डन और केयरटेकर समेत कुछ अधिकारियों को निलंबित किया तथा सुरक्षा सुधारों का आंशिक वादा किया। लेकिन एनएसयूआई का जोर मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और पूर्ण जवाबदेही पर है। संगठन का कहना है कि एसएयू विदेश मंत्रालय के अधीन होने के बावजूद केंद्र सरकार की नाकामी साफ दिख रही है।

उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रति प्रतिबद्ध है दिल्ली विश्वविद्यालय : प्रो. योगेश सिंह

एजेंसी नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय के विदेशी छात्र रजिस्ट्री ने वाइस-चान्सेल लॉस स्थित कन्वेंशन हॉल में 'विदेशी छात्रों के लिए नए नियम और प्रक्रियाएं' पर एक इंटरैक्टिव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के हितधारकों को अंतरराष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश, पंजीकरण और सम्प्र प्रशासन से संबंधित नवीनतम अपडेट और नियामक परिवर्तनों से अवगत कराना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की और आईपीएस, उप निदेशक एवं विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) दीपक यादव (एफआरआरओ) दीपक यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वैश्विक

प्रतिष्ठा को मजबूत करने के विश्वविद्यालय के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीयकरण के महत्व और बढ़ते विदेशी छात्र समुदाय के



समर्थन में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर बल दिया।कुलपति ने आशा व्यक्त की कि यह आयोजन इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी हितधारकों के लिए लाभदायक होगा। आईपीएस दीपक यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विकसित भारत बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ेगा, भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों की बढ़ती आमद देखेंगे। उन्होंने विदेशी छात्रों के लिए नए नियमों और प्रक्रियाओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी,

जिसमें पंजीकरण औपचारिकताओं, वीजा नियमों, छात्रावास औपचारिकताओं और अनुपालन आवश्यकताओं के बारे में बताया। उन्होंने मुख्य रूप से हाल ही में



अधिनियमित आब्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 और आब्रजन और विदेशी नियम, 2025 पर जोर दिया। उन्होंने छात्र वीजा की विभिन्न श्रेणियों का वर्णन किया और अधिनियम के कानूनी प्रावधानों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में विदेशी छात्र रजिस्ट्री की डीन, प्रो. रूपम कपूर ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों, एफएसआर टीम और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

शारत्री पार्क रेड लाइट चौक पर गोलीबारी, एक की मौत, दूसरा घायल

एजेंसी नई दिल्ली । उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक सनसनीखेज गोलीबारी की घटना सामने आई है, जिसमें दो चचेरे भाइयों को गोली मार दी गई। इस हमले में एक

युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।मृतक की पहचान उवम के रूप में हुई है, वहीं घायल युवक का नाम नदीम है, जिसके पेज में गोली लगी है। सूचना मिलते की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश

में जुटी है। पुलिस को रात करीब तीन बजे एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि शास्त्री पार्क रेड लाइट चौक के सर्विस रोड पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही शास्त्री पार्क थाना पुलिस की टीम तुरंत

मौके पर पहुंची। वहां दो युवकों को गोली लगी हुई हालत में पाया गया। दोनों को तत्काल जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उवम को मृत घोषित कर दिया। उवम के श्वेत ही पोस्टमार्टम के लिए गुरु तेग बहादुर

अस्पताल भेजा गया है। वहीं, नदीम का इलाज गुरु तेग बहादुर अस्पताल में चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उवम अपनी मां के साथ उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से दिल्ली के

गांधीनगर, कैलाश नगर, गली नंबर 17 में अपनी बहन के घर आया था। मृतक के पिता ने बताया कि देर रात दो बजे से उवम की तलाश की जा रही थी, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल रहा था। कुछ देर बाद पुलिस से कॉल आई कि वह

घायल अवस्था में मिला है, लेकिन बाद में उसकी मौत की पुष्टि हुई। पुलिस को अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि गोलीबारी के पीछे की वजह क्या थी और हमलावर कौन थे। जांच अधिकारियों का कहना है कि नदीम

के होश में आने और बयान देने के बाद ही हमलावरों की पहचान और घटना के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ अहम सुराग जुटाए हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

हिन्दू धर्म में धनवंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धनवंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनवंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धनवंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शतर पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वन्तरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धनवंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस

- धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।
- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
 - धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
 - श्री सूरु में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
 - धनमग्न, धनम वायु, धनम सूर्या धनम वसु अर्थात् प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सुजन कर सकता है।
 - श्री सूरु में आगे यह भी लिखा गया है- ‘न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति’ तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
 - आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
 - श्री सूरु में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।



छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है। नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रूप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं। मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है।

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है। दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संख्या के पश्चात दीपक प्रज्वलित किए जाते हैं। नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है। इस रात्रि के पूजन वंद दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित हैं.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ीं कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं, एक पौराणिक कथा के अनुसार रत्न देव नामक एक राजा हुए थे, वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरुष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे. जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढ़ते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करुणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, है राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा को कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ऋषियों के पास जाता है, उन्हें सारा वृत्तान्त सुनाता है. ऋषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्रह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ऋषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष्य पर नगर वासियों ने नार को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्योहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भीहों पर जुए पੈदा हो गईं. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं. तभी विवरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, है मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करुणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, है योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा आराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुनः पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अतः तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिवड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चोमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलपत्र तपक्ष्वात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाब, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संख्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.



आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन

धनतेरस

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दुजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अष्टावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा चलने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए। शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से अप्रह्न किया कि वामन कुछ भी मांगें उन्हें इकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की

सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्राचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए। इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया।

बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है

धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संख्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।

इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दुःख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दुःख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चिंता और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद इन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दुःखी हो गये। समय बितता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की प्रतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सप का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सप बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के समाने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सप की आंखें चौंधिया गयी और सप बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।



धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

भगवान कुबेर विसाव के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिक्पाला का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में हैं। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है। आमतौर पर उन्हें उन्हे बैना, गौरा और बड़ी-सी तौद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगें, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नी सिद्धियों के खजाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।

समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा गवगह मंदिर खरगौर में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूरा यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं-

-यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। -कर्ज से मुक्ति मिलती है। -गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। -व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। -आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। -किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-
कुबेर मंत्र -
ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा ।'



धनतेरस से आरंभ करें मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि -
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ॐ नमः ।

विधि - सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जाप पूरा होने के पश्चात् लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।



कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है-

कुबेर देव का मंत्र-
ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।
यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जाप करें। जाप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें-
जम कुबेर दिग्पाल जहां ते।
कवि कोविद कहि सके कहां ते।
इन पंक्तियों के निरंतर जाप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।



